Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

J 2 0 1 0

Test Booklet No.

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
HINDI

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

HINDI
हिन्दी

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खण्ड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

खण्ड – I

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अधिकतम **500 (पाँच सौ)** शब्दों में निबंध लिखिए । इसके लिए **बीस (20)** अंक निर्धारित हैं । **(20 अंक)**

   (क) भक्त कवियों की सामाजिक चेतना

   (ख) छायावादी कवियों का काव्य-दर्शन

   (ग) हिंदी कहानियों में दलित विमर्श

   (घ) ध्वनि सम्प्रदाय

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अधिकतम **500 (पाँच सौ)** शब्दों में निबंध लिखिए । इसके लिए **बीस (20)** अंक निर्धारित हैं । **(20 अंक)**

(क) तुलसी की काव्य-दृष्टि

(ख) कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ

(ग) हिन्दी उपन्यासों में नायक-नायिका के बदलते स्वरूप

(घ) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित **चार** वैकल्पिक वर्गों में से किसी **एक** वर्ग का चयन करें और उसी वैकल्पिक वर्ग के **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **तीन सौ (300)** शब्दों में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के **पन्द्रह (15)** अंक निर्धारित हैं । **(3 × 15 = 45 अंक)**

विकल्प – I (भक्ति काव्य)

3. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :
भर भादौं दूभर अति भारी । कैसे भरौं रैनि अँधियारी ।।
मँदिल सून पिय अनतै बसा । सेज नाग भै जै जै डसा ।।
रहाँ अकेलि गहें एक पाटी । नैन पसारि मरौं हिय फाटी ।।
चमकि बीज घन गरजि तरासा । बिरह काल होइ जीउ गरासा ।।

4. कबीर के समाज-दर्शन की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।

5. सूर का वात्सल्य वर्णन अद्वितीय है । सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

विकल्प – II (छायावाद)

3. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :
प्रतिपल – परिवर्तित – व्यूह, भेद – कौशल – समूह
राक्षस – विरुद्ध – प्रत्यूह, क्रुद्ध – कपि – विषम – हूह,
विच्छुरित वह्नि – राजीवनयन – हत लक्ष्य – बाण,
लोहित लोचन – रावण – मदमोचन – महीयान।

4. पंत की सौन्दर्य-चेतना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. महादेवी की काव्य-भाषा की विवेचना कीजिए ।

अथवा

विकल्प – III (कथा साहित्य)

3. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :
भुवनमोहिनी का साक्षात्कार पाकर भी तू भटकता फिर रहा है पागल ! देख रे तेरे शास्त्र तुझे धोखा देते हैं । जो तेरे भीतर सत्य है, उसे दबाने को कहते हैं; जो तेरे भीतर मोहन है, उसे भुलाने को कहते हैं; जिसे तू पूजता है, उसे छोड़ने को कहते हैं ।

4. "'मैला आँचल' में अँचल ही नायक है ।" इस कथन की विवेचना कीजिए ।

5. आधुनिक कहानियों पर प्रेमचन्द के प्रभाव को रेखांकित करें ।

अथवा

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

3. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान की विवेचना कीजिए ।

4. 'औचित्य' की अवधारणा को समझाते हुए क्षेमेन्द्र के योगदान की मीमांसा कीजिए ।

5. आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम **पचास (50)** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **दस (10)** अंक हैं ।

(9 × 10 = 90 अंक)

6. ‘कीर्तिलता’ एक चरितकाव्य है । इसे स्पष्ट कीजिए ।

7. ‘मसनवी’ काव्यशैली में लिखित एक सूफीकाव्य की विशेषताएँ बताइए ।

8. केशवदास को हृदयहीन कवि किसने कहा और क्यों कहा ?

9. अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए ।

10. बिहारी को रीतिसिद्ध कवि क्यों कहा गया है ?

11. मोहन राकेश के नाटकों पर प्रकाश डालिए ।

12. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ बताइए ।

13. भाषा और बोली में क्या अंतर है ?

14. महादेवी के रेखाचित्रों की विशेषताएँ बताइए ।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित गद्यावतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम **तीस (30)** शब्दों में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के **पाँच (5)** अंक हैं । **(5 × 5 = 25 अंक)**

सबसे पहले आलोचक को विद्वान, बुद्धिमान, गुणग्राही और निष्पक्ष होना चाहिए; और जिसमें ये सब गुण न हों, उसको समालोचना के काम से दूर ही रहना चाहिए । जिस समालोचक में ये सब गुण होंगे, वह बहुत सहज में आलोच्य ग्रंथ की बातों का अर्थ समझ जायेगा । आलोचक का मुख्य कार्य यह है कि वह आलोच्य ग्रंथ को उसके बिल्कुल वास्तविक स्वरूप में देखे । किसी बुरे भाव अथवा पक्षपात से प्रेरित होकर वह जो कुछ कहेगा, उसकी गणना निन्दा अथवा स्तुति में ही होगी; उसके उस कथन को आलोचना में स्थान न मिलेगा । समालोचक यदि विद्वान न होगा, तो वह ग्रन्थ के गुण न समझ सकेगा, यदि वह बुद्धिमान न होगा तो नीर-क्षीर के विवेक में असमर्थ होगा और यदि वह निष्पक्ष न होगा, तो उसका विवेचन निरर्थक और अग्राह्य होगा । समालोचक के लिए आवश्यक विद्वत्ता, बुद्धिमत्ता और गुण-ग्राहकता तो बहुत से लोगों में हो सकती और होती है, पर राग-द्वेष या पक्षपात से बहुत कम लोग बचते या बच सकते हैं ।

15. किस आलोचक को समालोचना के कार्य से दूर रहना चाहिए और क्यों ?

16. आलोचक को किस दोष से बचना चाहिए ?

17. आलोचक को तटस्थ विवेचक क्यों होना चाहिए ?

18. आलोचक की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

19. आलोचक की विद्वत्ता, बुद्धिमत्ता और निष्पक्षता का आलोचना पर कैसा प्रभाव पड़ता है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....